बिहार विधान-सभा वादवृत्त ।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में शुक्रवार, तिथि ९ सितम्बर, १९६६ को पूर्वाह्न ९ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मीनारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारंभ हुआ ।

बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम "४" के परन्तुक के अन्तर्गत प्रश्नों के लिखित उत्तरों का सभा की मेज पर रखा जाना ।

श्री मुंगेरी लाल—महाशय, मैं तृतीय बिहार विधान-सभा के द्वादश सत्र (फरवरी-अप्रील, १९६६) के शेष ११७६ तारांकित प्रश्नों में से ८७ प्रश्नों के * लिखित उत्तर सभा की मेज पर रखता हूँ ।

---

*उत्तर के लिये कृपया परिशिष्ट २ देखें ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर ।

दोषपूर्ण नोटिफिकेशन ।

२ । **श्री खुबलाल महतो**—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :—

(१) क्या यह बात सही है कि कोशी जब १९१७ ई० में पूर्णियां और सहर्षा बोर्डर से हटकर पश्चिम चली गई तब १९२६ ई० से १९३१ ई० के बीच कोशी दियारा का सर्वे हुआ और उसके बाद कोशी धार उधर नहीं गई है;

(२) क्या यह बात सही है कि कोशी लैन्ड रेस्टोरेशन ऐक्ट जो बना है उसका मंशा है कि १९३९ ई० से १९५० ई० के अन्दर जो जमीन कोशी उप्लव के चलते जमींदारों ने नीलाम करा लिया उसे किसानों को वापस करा दिया जाग;

(३) क्या यह बात सही है कि कोशी लैन्ड रेस्टोरेशन ऐक्ट को लागू करने के लिये जो नोटिफिकेशन हुआ है वह दोषपूर्ण है जिसके चलते कोशी दियारा का सर्वे जहां हुआ है वहां भी वहां कानून लागू समझा जाता है जिसकी वजह से उक्त कानून की जो मंशा है उसकी अवहेलना हुई है और वहां की जनता के साथ अन्याय हुआ है ;

तिथि २१ जनवरी, १९६६ को बहादुरपुर प्रखंड के स्वास्थ्य उप-समिति की हुई बैठक के प्रस्ताव संख्या ३ की प्रतिलिपि।

यह उप-समिति इस बात पर खेद प्रकट करती है कि वर्षों से ऊपर होने पर प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी स्वास्थ्य उप-केन्द्रों पर नियमित रूप से नहीं जाते हैं। जबकि उप-केन्द्रों का चयन एवं स्वीकृति प्रखंड विकास समिति से कब न हो चुकी है। प्रखंड विकास पदाधिकारी महोदय से आग्रह किया जा रहा है कि यथोचित उच्चाधिकारी से इस संबंध में पत्राचार कर इन कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास करेंगे। कई उप-केन्द्रों में तो प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी एकदम ही नहीं जाते हैं। उप-समिति प्रखंड विकास पदाधिकारी से सिफारिश करती है कि उनकी जानकारी रहते हुए कि प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी स्वास्थ्य उप-केन्द्र में जाना-आना पसन्द ही नहीं करते हैं और प्रखंड विकास समिति के फैसले का मखौल उड़ाना ही कहा जा सकता है। अतः उप-समिति यह जानकारी रखनी है कि एम० डी० ओ० एम० एस० करने के लिए ही कोई डाक्टर यहाँ आते हैं। और अपना समय उप-केन्द्रों में न देख कर डी० एम० सी० एच० में दिया करते हैं। अतः उप-समिति वी० डी० सी० से सिफारिश करती है कि प्रखंड विकास पदाधिकारी इस प्रस्ताव की एक प्रतिलिपि निदेशक, स्वास्थ्य सेवा, जिलाधीश, दरभंगा एवं असैनिक शल्य चिकित्सक की कार्रवाई हेतु दी जाय। प्रेषित औषधियों की प्रति संबंधित मुखियों को भी दी जाय।

(ह०) रामनारायण सिंह,
अध्यक्ष।

संशोधन के साथ स्वीकृत।
द० रूपनारायण,
सभापति,
प्रखंड उप-समिति, बहादुरपुर।

वेतन की चुकती

११९१। श्री गुठली सिंह—क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि शाहाबाद जिलान्तर्गत डिहरी थाना के ग्राम पहलेजा के स्वास्थ्य उप-केन्द्र में तारामुनी देवी दाई के स्थान पर सन् १९६४-६५ में कार्य करती थीं;

(२) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त दाई १० नवम्बर, १९६४ से १० फरवरी, १९६५ तक मेटरनिटी छुट्टी में थी;

(३) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त दाई की उपरोक्त छुट्टी की अवधि का वेतन अभी तक नहीं मिला है चूंकि विभागीय औफिसरों ने उपरोक्त छुट्टी को मंजूर नहीं किया है;

(४) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त दाई को उपरोक्त अवधि का वेतन नहीं मिलने के कारण बहुत तकलीफ हो रही है ;

(५) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उपरोक्त दाई का उपरोक्त अवधि का वेतन चुकता करने का विचार रखती है यदि हाँ, तो कबतक और नहीं तो क्यों ?

श्री अब्दुल क्यूम अन्सारी—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) दिनांक २६ मार्च, १९६६ को वेतन का भुगतान कर दिया गया है।

(४) एवं (५) प्रश्न नहीं उठता है।

ठीकेदार की बहाली।

११९२। श्री रामनारायण सिंह यादव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया जिला के टिकारी प्रखंड में सिकरिया स्वास्थ्य उप-केन्द्र है जिसके मकान बनाने का ठीकेदार श्री केदार सिंह थे ;

(२) क्या यह बात सही है कि आधा काम करने के बाद उक्त ठीकेदार की मृत्यु हो गयी और आज तक दूसरे ठीकेदार की बहाली नहीं हुई है ;

(३) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर हाँ में है तो सरकार उस सेंटर के कार्य को पूरा करवाने के लिए कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

श्री अब्दुल क्यूम अन्सारी—(१) श्री केदार सिंह नहीं श्री सूबेदार सिंह ठीकेदार थे।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) जिला पदाधिकारी, गया को आदेश दिया गया है कि दूसरे ठीकेदार की नियुक्ति कर काम को शीघ्र पूरा करावें।

अभिभावकों की सुविधा।

११९३। श्री राम चरण सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया लेडी एलगिन जनाना अस्पताल में मरीजों के अटेंडेंट के रहने का कोई इंतजाम नहीं है ;